

हर कृत्य में प्रेम २०१७

गुरुमाई चिद्विलासानन्द



तृप्त रहो, मेरे विचारो, तृप्त रहो



अपनी असली और सच्ची शक्ति का विकास करो



अपने मन को आराम दो



क्या तुमने हाल ही में अपने किसी अच्छे मित्र से बात की है?



क्या तुमने किसी वृक्ष को उसकी उदारता के लिए धन्यवाद दिया है?



ध्यान के लिए तुम्हारा केन्द्रण क्या है?



आखिरी बार तुमने कब कलकल बहती नदी की धुन सुनी थी?



ज्ञानमन्नम्
ज्ञान अन्न है^१



आराम से रहो
सहजता से रहो
सब कुछ ठीक होगा



हृदय की हर धड़कन के साथ, सकारात्मकता की रचना करो



सहज-स्फुरण
समलयता



जब कोई तुम्हारे बारे में किसी प्रकार की टीका-टिप्पणी करता है तो तुम्हें कैसा महसूस होता है?

क्या तुम एक से दस के पैमाने पर अपनी प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना चाहोगे?



पुनर्नवीनीकरण

सुगन्ध

उल्लास

विनोदप्रियता

सम्मान



यं : हृदय चक्र का बीजमन्त्र